marginal farmers for increasing agricultural production, spreading genetically proven stock of fruit crops and renewable of cashew plantations. The Plan also includes a number of programmes for processing and marketing of agricultural and live stock products.

(b) and (c) The growth profile for different sectors of the economy has to be mutually consistent. In keeping with the special emphasis on the development of the rural sector, 50 per cent of the public sector outlay in the 8th Plan will be for programmes and projects which benefit the agriculture and the rural sectors.

Industries causing pollution in Orissa

419. SHRI BASUDEB MOHAPATRA: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether Government have identified the industries in Orissa which are causing pollution;

(b) if so, what are their names and location; and

(c) what action has been initiated against these units?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRIMATI MANEKA GANDHI): (a) Yes, Sir.

(b) The names and the locations of the major industries in Orissa identified as causing pollution are listed below:

S. No.	Name and Location
1.	East Coast Fertilisers and Chemicals, Kalama.
2.	Fertiliser Corporation of India, Talcher.
3.	Rourkela Steel Plant & its Fertiliser Unit, Rourkela.
4.	Orissa Sponge Iron, Polasponga, Keonjhar.
5.	IPI—Tata Sponge Iron, Keonjhar.
6.	Orient Paper Mill, Brajrajnagar.
7.	Talcher Thermal Power Station, Talcher.
8.	Jayshree Chemicals, Ganjam.
9.	Aska Cooperative Sugar & Distillery, Aska.
10.	East Coast Breweries & Distilleries, Paradip.
11.	Ferro Manganese Plant, Joda.
12.	DMC Alloys Ltd., Bamanipal.
13.	Ferro Manganese Plant, Rayagada.
14.	Mangalam Timber Products, Nawarangpur.
15.	Orichem Ltd., Talcher.
16.	Orissa Textiles Mills, Choudwar.
17.	Hira Cement Ltd., Bargarh.
18.	Orissa Cement Ltd., Rajgangpur.
19.	Baragarh Cooperative Sugar.
20.	Ferro Chromo Plant, Jajpur Road.
21.	Kalinga Iron Work, Barbil.

(c) The Orissa State Pollution Control Board has directed these units to instal adequate pollution control devices within a specified time-frame. Legal action has been initiated against recalcitrant units.

Misappropriation of Funds in Nehru Yuvak Kendra, Sivagangai

429. SHRI PASUMPON THASHKIRUTTINAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is fact that some incidents of misappropriation of funds have recently taken place in the Nehru Yuvak Kendra at Sivagangai in Tamilnadu;

(b) if so, the details thereof;

(c) what are the details of culprits involved; and

(d) what action has been taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI CHIMANBHAI MEHTA): (a) Yes, Sir.

(b) Special audit and enquiry of the Kendra revealed misappropriation of funds to the extent of Rs. 17,904.05.

(c) Youth Coordinator and Accounts Clerk of the Kendra were involved.

(d) Apart from transferring them from Sivagangai, action for recovery of the full amount from both these employees has been taken.

देश में प्रौद्योगिकीय उद्यान

421 **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में किसानों, उद्योगपतियों तथा अन्य व्यक्तियों को नवीनतम जानकारी उपलब्ध कराने के लिए देश के विभिन्न भागों में प्रौद्योगिकीय उद्यानों की स्थापना की गई है;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक उद्यान द्वारा किए गए कार्यों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) उक्त अवधि के दौरान इन उद्यानों को कितनी वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई है?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राजा रमन्ना) : (क) से (ग) जबकि देश में अभी तक कोई प्रौद्योगिकी पार्क स्वतः स्थापित नहीं की गयी है, क्रमशः इलैक्ट्रानिक्स विभाग तथा रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग के तत्वावधान में सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क तथा बंगलौर में प्रौद्योगिकी पार्क स्थापित करने संबंधी प्रस्ताव अध्ययन तथा मूर्तीकरण के विभिन्न चरणों में है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन स्थापित किये जाने वाले जैव प्रौद्योगिकी में एक विज्ञान उद्योग संकाय को स्थापित करने का प्रस्ताव भी विचाराधीन है।

इन प्रस्तावित पार्कों के उद्देश्यों में अद्यतन विज्ञान और प्रौद्योगिकी सूचना के प्रसार के लिए बड़े पैमाने पर कार्यक्रम, प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी अंतरण, उत्पाद और प्रक्रिया विकास एवं शैक्षिक, वैज्ञानिक, वित्तीय संस्थानों और उद्योग के बीच सुदृढ़ संपर्क बनाना सम्मिलित है।

तथापि, यह नोट किया जाये कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमवृत्ति विकास बोर्ड की स्कीम के अंतर्गत उद्यमियों को सूचना और समर्थन सुविधाएं प्रदान करने हेतु 12 विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमी पार्क स्थापित किये गये है। विगत तीन वर्षों के दौरान उद्यमियों द्वारा उपयोग के लिए ये विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमी पार्क केन्द्रीय सुविधाओं और अवसंरचना के सृजन में अधिकांशतः कार्यरत रहे। कुछ विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमी पार्कों ने विज्ञान और इंजीनियरी के स्नातकों के लिए उद्यमवृत्ति विकास कार्यक्रम को भी शुरू किया है।

विभिन्न विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमी पार्कों के माध्यम से 330 विज्ञान और प्रौद्योगिकी व्यक्तियों को प्रशिक्षण देना, 94 एकक स्थापित करना, 62 प्रौद्योगिकियों का वाणिज्यिकरण करना और लगभग 550 नौकरियों को सृजित करना संभव हुआ है।

विगत तीन वर्षों के दौरान भारत सरकार (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग) तथा अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमी पार्कों को 187.21 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

Refund of Security Deposit by Delhi University Colleges

422. SHRI B. L. PANWAR:
DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what was the number of students admitted to graduate and